मौसम आधारित कृषि परामर्श सेवाएं

(ग्रामीण कृषि मौसम सेवा)

केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर- 342003

दिनांकः 30 जुलाई 2019

जोधपुर

जिले के लिए भारत मौसम विज्ञान विभाग, क्षेत्रीय मौसम विज्ञान केन्द्र,
जयपुर से प्राप्त मध्यावधि मौसम पूर्वानुमान

मौसमी तत्व / दिनांक	31/07/19	01/08/19	02/08/19	03/08/19	04/08/19
वर्षा (मि.मी.)	7	58	37	36	12
अधिकतम तापमान (°सेल्सियस)	34	35	34	33	34
न्यूनतम तापमान (°सेल्सियस)	28	29	30	30	29
बादलों की स्थिति (ओक्टा)	6	8	7	8	7
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) सुबह	74	81	78	78	76
सापेक्षिक आर्द्रता (प्रतिशत) शाम	25	27	26	26	26
हवा की गति (कि.मी/घंटा)	20	23	21	18	22
हवा की दिशा	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–पश्चिम	पश्चिम–दक्षिण–पश्चिम	दक्षिण–दक्षिण–पश्चिम

मौसम पूर्वानुमान के आधार पर कृषि परामर्श सेवा, केन्द्रीय शुष्क क्षेत्र अनुसंधान संस्थान, जोधपुर द्वारा इस जिले के किसानों को सलाहः

फसल	अवस्था	सलाह
		वर्षा की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए फसलों में कीटनाशी व फफूंदनाशी का छिडकाव ना करें तथा सब्जियों वाली फसलों में जल निकास की व्यवस्था करें।
बाजरा	वानस्पतिक	बाजरा में खरपतवार नियत्रंण हेतु निराई गुडाई करें तथा बुवाई के 20–25 दिन बाद वर्षा के समय 20 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर दें।
कपास		कपास की फसल में चितकबरी सूंडी का प्रकोप दिखाई देने पर नियंत्रण के लिए फेनवेलरेट 20 ई.सी. एक मि.ली. प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करें।
भिण्डी	पुष्पन	भिण्डी की फसल में पीतशीरा मोजेक रोग र्सवाधिक हानी पहुचानें वाला रोग है इस रोग में पत्तियों की शीराएं पीली पड़ जाती है तथा कुछ समय बाद पत्तियां व फल पीले पड़ जाते है। इसके नियंत्रण हेतु एसीटामीप्रिड 0.3–0.5 मि.ली. का प्रति लीटर पानी की दर से छिडकाव करे।
मिर्च	वानस्पतिक	रोपाई के 30 दिन बाद वर्षा के दिन 15 किलो ग्राम नत्रजन प्रति हैक्टेयर की दर से दें।
पशु		वर्षा की सम्भावना को ध्यान में रखते हुए पशुओ को सीधी बारिश से बचाएं तथा पशुओ को पेड़ के नीचे ना बांधें।

(नौडल ऑफीसर)